व्याकरण वृक्ष 1

शिक्षक-दर्शिका

Harbour Press
INTERNATIONAL

भाषा पाठ योजनाः 1

आज की अवधारणा

- छात्रों को भाषा के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ कि भाषा में हम सोचते, समझते, पूछते और बताते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

शुरुआत में बच्चों को भाषा विषय की जानकारी अपने परिवार के सदस्यों, अध्यापकों से मिलती है। इस विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों को भाषा विषय के बारे में कितना पता है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा विषय के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा के बारे में सोचने और विचार करने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को भाषा विषय की जानकारी देना।
- बातचीत के तरीकों के बारे में समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- बातचीत के अलग-अलग तरीकों के बारे में बताने को कहें।
- कौन-कौन से लोग इशारों में बात करते हैं? अपनी कल्पना से उत्तर देने के लिए कहें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध भाषा संबंधी पुस्तकें।
- यूट्यूब पर भाषा विषय संबंधित वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में भाषा की प्रारंभिक जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी।

पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत अन्य ध्वनियो को जानने संबंधित जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों को चित्र दिखाकर बताएँ कि आपस में जो बातें हो रही हैं, वही भाषा है। • छात्रों को ट्रैफिक पुलिसवाले का चित्र दिखाकर पूछें कि ये ट्रैफिक कंट्रोल के लिए किस भाषा का प्रयोग करते हैं। • यदि छात्रों को कक्षा में बोलने के लिए मना कर दिया जाए तो वे किस तरीके से अपनी बात कहेंगे। • छात्रों को बताएँ की मनुष्य की तरह जीव-जंतु भी भाषा का प्रयोग करते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. पाठ में कौन पिता से सवाल पूछ रहा है?

अ. बेटा ☐ **ब.** बेटी ☐

ख. भाषा कैसे बोली जाती है?

अ. इशारों से ☐ **ब.** मुँह से ☐

ग. पाठ में बच्चे को कौन समझा रहा है?

अ. माँ ☐ **ब.** पिता ☐

घ. पाठ में पिता ने किससे कहा कि वे दफ्तर का काम कर रहे हैं?

अ. बेटे ☐ **ब.** बेटी ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. भाषा का प्रयोग करते समय हम क्या करते हैं?

....

ख. यदि आपके पिता जी ने आपको कुछ देर चुप रहने को कहा है, तो आप मुँह से बोलने के अलावा अन्य किस प्रकार से अपनी बात अपने पिताजी से पूछने का प्रयास करेंगे?

....

....

भाषा के रूप पाठ योजना: 2

आज की अवधारणा

- छात्रों को भाषा के रूपों के बारे में बताएँ।
- भाषा का लिखित रूप और मौखिक रूप समझाएँ।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक भाषा अध्याय से छोटे-छोटे प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा है।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में भाषा के विभिन्न रूपों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- भाषा के रूपों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- लिखित और मौखिक रूप को समझने में,

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन काल उद्देश्य है-

- छात्रों को भाषा के रूपों से परिचित कराना।
- भाषा के द्वारा हम अपने मन की बात दूसरों तक पहुँचाते हैं, इसका ज्ञान कराना।
- छात्रों को यह बताना कि अपनी बात को कहने और दूसरे की बात सुनने-समझने के अपने-अपने तरीके होते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों का ज्ञान कराया जाए।
- कक्षा को दो समूहों में विभाजित करके मौखिक और लिखित के उदाहरण देकर उनसे मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति संबंधित प्रश्नोत्तरी खेलें।
- छात्रों से बातचीत के अन्य तरीकों पर चर्चा करें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय में भाषा के रूपों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।
- यूट्यूब पर भाषा के विभिन्न रूपों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत अन्य ध्वनियों को जानने संबंधित जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों से मौखिक व लिखिए रूप के दो-दो उदाहरण बताने को कहें। • कक्षा के छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर तथा अन्य उदाहरण देकर पूछें कि कहाँ लिखित भाषा का प्रयोग हो रहा है और कहाँ मौखिक भाषा का। • छात्रों से यह भी पूछें कि यदि उन्हें बोलने से मना कर दिया जाए तो वह अपनी बात किस तरह समझाएँगे?
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. भाषा के कितने रूप हैं?

अ. 3 ☐ ब. 2 ☐

ख. अपनी बात कहते समय हम भाषा के किस रूप का प्रयोग करते हैं?

अ. लिखित ☐ ब. मौखिक ☐

ग. भाषा का प्रयोग हम किस प्रकार से कर सकते हैं?

अ. केवल लिखित रूप में ☐ ब. लिखित व मौखिक रूपों में ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. भाषा क्या है?

....

ग. भाषा के दो रूप बताइए?

....

घ. भाषा के लिखित रूप में हम क्या करते हैं?

....

वर्णमाला

पाठ योजनाः 3

आज की अवधारणा

- छात्रों को वर्ण और वर्णमाला के बारे में बताएँ।
- छात्रों को वर्ण के भेदों से अवगत कराएँ।
- छात्रों को बताएँ कि हिंदी में 11 स्वर और 35 व्यंजन होते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक पूर्व पाठ में पढ़ाए गए विषय 'भाषा के रूप' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में वर्ण,वर्णमाला व उनके भेदों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- वर्ण और वर्णमाला के बारे में सोचने और विचार करने में,
- स्वरों व व्यंजनों के सही उच्चारण व उनकी संख्या के बारे में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन काल उद्देश्य है-

- छात्रों को वर्णो के भेद(स्वर व व्यंजन) के बारे में बताना।
- छात्रों को बताना कि मुँह से निकलने वाली छोटी से छोटी ध्वनि को जब हम लिखते हैं तो वह वर्ण कहलाती है।
- जो वर्ण दो वर्णो के मेल से बनते हैं, छात्रों को ऐसे वर्णो का ज्ञान कराना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- छात्रों को स्वर व व्यंजन का ज्ञान करवाया जाएगा।
- कक्षा को दो समूहों में विभाजित कर पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी खेली जाएगी।
- श्यामपट्ट पर कोइ शब्द लिखकर अध्यापक बच्चों से उस शब्द मेंल आने वाली ध्वनियों के बारे में पूछें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वर्णमाला से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- कक्षा में चित्रात्मक चार्ट द्वारा स्वरों व व्यंजनों की पहचान।
- यूट्यूब पर वर्णों के भेदों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय: पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना, अर्थबोध कराना, पाठ पढ़ने के उपरांत अन्य ध्वनियों को जानने संबंधित जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• अध्यापक छात्रों को चित्र दिखाकर उस शब्द में प्रयोग की गई ध्वनियों के बारे में पूछें। • छात्रों को बताएँ कि मुख से निकलने वाली आवाज़ ध्वनि कहलाती है। • छात्रों को बताएँ कि हिंदी में 11 स्वर और 35 व्यंजन होते हैं। • छात्रों को बताएँ कि कुछ वर्ण दो वर्णों के मेल से बनते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय: पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. वर्ण के भेद हैं?

अ. केवल व्यंजन ☐ ब. स्वर तथा व्यंजन दोनों ☐

ख. हिंदी में प्रयोग किए जाने वाले स्वरों की संख्या कितनी होती है?

अ. 11 ☐ ब. 12 ☐

ग. वे वर्ण जो न स्वर में आते हैं और न ही व्यंजन में, वे कौन-से हैं?

अ. द, ध ☐ ब. अं, अः ☐

घ. वर्णों के समूह को क्या कहा जाता है?

अ. वर्णमाला ☐ ब. वर्णमोती ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए–

क. वर्ण किसे कहते हैं?

....

ग. ध्वनि किसे कहते हैं?

....

घ. वर्णों के नीचे हल् चिह्न लगे होने का अर्थ क्या होता है?

....

3. दिए गए वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए-

क. प् + आ + य् + अ + ल् + अ ....

ख. म् + अ + ह् + आ + र् + आ + ज् + अ ....

ग. स् + ए + न् + आ ....

घ. स् + अ + ह् + आ + य् + अ + त् + आ ....

शब्द और वाक्य — पाठ योजनाः 4

आज की अवधारणा

- छात्रों को शब्द और वाक्य के बारे में बताना।
- छात्रों को बताएँ कि वर्णमाला के वर्णो को मिलाकर शब्द बनाए जाते हैं और शब्दा के सही मेल से ही वाक्य बनते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

इससे पूर्व पाठ में पढ़ाए गए विषय 'वर्णमाला' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उस काल कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढने के बाद छात्रों में शब्द और वाक्य संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी ओर वे सक्षम होंगे–

- शब्द और वाक्य के बारे में सोचने और विचार करने में,
- लिखते समय शब्दों और वाक्यों के सही प्रयोग की और ध्यान देने मेंं।

पाठ का उद्‌देश्य

- छात्रों को यह समझाना कि हर एक शब्द का कोई न कोई अर्थ होता है।
- शब्द बनाते समय वर्णो का सही प्रयोग समझाना।
- छात्रों को यह बताना की वाक्य बनाते समय शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग करना चाहिए।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में शब्द और वाक्य के नियमों को जानने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्‌वारा छात्रों को शब्द बनाने के नियमों से अवगत कराना।
- अध्यापक छात्रों को शब्द बनाते समय वर्णो का सही प्रयोग समझाकर उनका उच्चारण करवाएँ व छात्र उन शब्दों को अपनी-अपनी कॉपी में लिखें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध वर्णमाला से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर सार्थक शब्द संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- विद्यालय में शब्द व वाक्य बनाने संबंधी नियमों का चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	अध्यापक कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को शब्द और वाक्य से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें संज्ञा के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को बताएँ कि हर एक शब्द का कोई न कोई अर्थ होता है। जिसमें अर्थ नहीं, वह शब्द नहीं होता • छात्रों को बताए कि वाक्य बनाते समय शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग करना चाहिए। • श्यामपट्ट पर गलत वाक्य लिखकर छात्रों को सही वाक्य बनाने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. **सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-**

   क. वर्णों के समूह को क्या कहते हैं?

   अ. शब्दमाला ☐ ब. वर्णमाला ☐

   ख. वर्णमाला के वर्णों को मिलाकर क्या बनाया जाता है?

   अ. शब्द ☐ ब. ध्वनि ☐

ग. शब्दों के सही मेल से क्या बनते हैं?

अ. वर्णमाला ☐ ब. वाक्य ☐

घ. 'जाती मैं हूँ घूमने' वाक्य को सही तरह से कैसे लिखा जाएगा?

अ. मैं घूमने जाती हूँ। ☐ ब. मैं घूमने हूँ जाती। ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

क. वर्णमाला किसे कहते हैं?

....

ख. शब्द किस प्रकार बनाए जाते हैं?

....

ग. शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग कब करना चाहिए?

....

3. यहाँ पर कुछ वर्ण गलती से उलट-पुलट गए हैं। उन्हें उनकी सही जगह लगाकर शब्द बनाइए-

क. अ + र + क + द ....

ख. म + स + झ ....

ग. क + म + न ....

घ. ह + श + र ....

4. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य बनाइए-

क. कल + बाजार + वह + गई

....

ख. हम + शोर + कक्षा + करेंगे + में + नहीं

....

5. 'ज' तथा 'प' वर्ण से शुरु होने वाले दो-दो शब्द लिखिए-

'ज' वर्ण	'प' वर्ण
....	....
....	....
....	....
....	....

नाम वाले शब्द (संज्ञा) पाठ योजनाः 5

आज की अवधारणा

- छात्रों को बताएँ कि 'नाम' को ही व्याकरण की भाषा में 'संज्ञा' कहते हैं।
- छात्रों को बताएँ की सभी का कुछ न कुछ नाम होता है। संसार में ऐसा कोई नहीं है, जिसका नाम न हो।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक पूर्व पाठ में पढ़ाए गए विषय 'शब्द और वाक्य' से संबंधित प्रश्न पूछकर छात्रों के पूर्व ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने विषय को कितना समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में संज्ञा संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- संज्ञा शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- अपने दैनिक जीवन में संज्ञा शब्दों की पहचान करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन–पाठन का उद्देश्य है–

- छात्रों को संज्ञा शब्दों के बारे में समझाना।
- अपने समक्ष दिखने वाली चीज़ों के नामों का शुद्ध उच्चारण करना व उन्हें लिखने का प्रयास करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों का पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना तथा संज्ञा के नामों को अच्छे से जानने का प्रयास करना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों को संज्ञा के अर्थ से अवगत करवाना।
- अध्यापक कक्षा में छात्रों के समक्ष संज्ञा संबंधित चीजों के विभिन्न चित्र दिखाकर छात्रों से उनके नाम पूछें। यदि कोई छात्र सभी चीज़ों का सही नाम बता पाए तोल कक्षा में उस छात्र की प्रशंसा की जाए और जो छात्र गलत उत्तर दे तो उसे संज्ञा शब्दों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय में संज्ञा शब्दों से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।
- यूट्यूब द्वारा संज्ञा से संबंधित विडियो क्लिप्स।
- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध्र संज्ञा संबंधित व्याकरण की पुस्तकें।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नही हैं। उन्हें आज की अवध ारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को शब्द और वाक्य से संबंधित जानकारी प्रदान करें। उनमें संज्ञा के संबंध में उत्सुकता जागृत करें।	• छात्रों को संज्ञा के अर्थ व उसके नामों से अवगत करना। • छात्रों को बताएँ कि संज्ञा के तीन समूह होते हैं। • छात्रों को बताएँ कि संसार में ऐसा कोई नहीं है, जिसका कोई नाम न हो।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. 'नाम' को व्याकरण की भाषा में क्या कहते हैं?

अ. संज्ञा ☐ ब. वर्ण ☐

ख. पाठ में दादा जी किसके नीचे बैठे हैं?

अ. झाड़ी ☐ ब. पेड़ ☐

ग. पाठ में माली किन पर पानी डाल रहा है?

अ. पौधों पर ☐ ब. कपडों पर ☐

घ. गेंद से कौन खेल रहे हैं?

अ. बच्चे ☐ ब. चूहे ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. संज्ञा किसे कहते हैं?

....

....

ख. संसार में ऐसे कितने लोग हैं, जिनका कोई नाम नहीं है?

....

....

3. प्यारे बच्चों, दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए–

चित्र में आपने क्या-क्या देखा? चित्र में जो भी दिखाई दे रहा है, उनके नाम लिखिए-

....

....

....

तरह-तरह के नाम पाठ योजनाः 6

आज की अवधारणा

- छात्रों को तरह-तरह के अन्य नामों के बारे में बताएँ।
- छात्रों को बताएँ की अपने समक्ष की चीज़ों के अलावा भी व्यक्तियों, वस्तुओं, स्थानों, मिठाइयों, फलों, पेड़-पौधों, फूलों और पशु-पक्षियों आदि सभी के अलग-अलग नाम होते हैं।

पूर्ववर्ती ज्ञान

छात्रों से पूर्व में पठाए गए पाढों से प्रश्न पूछकर उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करना ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने उन पाठों से कितना समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों को तरह-तरह के नामों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- अन्य नामों के बारे में सोचने और विचार करने में,
- नामों को ध्यान से सुनकर वह किस समूह से संबंधित हैं? उस पर विचार करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को तरह-तरह के अन्य नामों के बारे में बताना।
- छात्रों को अलग-अलग समूहों के नाम ढूँढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अलग-अलग समूहों के तरह-तरह के नामों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

- अध्यापक द्वारा छात्रों को तरह-तरह के नामों से अवगत कराना।
- छात्रों के समक्ष एक-एक नाम बोलकर उनका समूह पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना।
- श्यामपट्ट पर अलग-अलग समूहों के दो-दो नाम लिखने को कहना। सही नाम लिखने वाले छात्र के लिए कक्षा में तालियाँ बजवाना।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- कक्षा में तरह-तरह के नामों से संबंधित चित्रात्मक चार्ट।
- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध अलग-अलग समूहों के नामों से संबंधित पुस्तकें।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः छात्रों को तरह-तरह के नामों के समूहों को जानने से संबंधित जानकारी प्रदान करें।	• छात्रों को व्यक्तियों, वस्तुओं, स्थानों, पशु-पक्षियों, मिठाइयों, पेड़-पौधों, फलों व फूलों के नाम आदि की पहचान कराएँ। • अलग-अलग चीज़ों के चित्र दिखाकर छात्रों से उनकी पहचान करने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. नाम कितने प्रकार के होते हैं?

अ. तरह-तरह के ☐ ब. एक ही तरह के ☐

ख. इनमें से कौन-सा नाम एक पशु का नाम है?

अ. मोर ☐ ब. बकरी ☐

ग. निम्नलिखित में से मिठाई को पहचानिए।

अ. रसगुल्ला ☐ ब. खीर ☐

2. उचित मिलान कीजिए-

क. चूहा

ख. अब्दुल कलाम

ग. अंगूर

घ. गुलाब

3. प्रस्तुत पाठ में कई तरह के नाम आए हैं जैसे वस्तुओं के, व्यंजनों के, व्यक्तियों के आदि। अब आप उन नामों से संबंधित एक-एक वाक्य सोचकर लिखिए-

....

....

....

....

पुरुष-स्त्री (लिंग) पाठ योजनाः 7

आज की अवधारणा

- छात्रों को लिंग के बारे में बताएँ।
- लिंग के दोनों रूपों पुल्लिंग और स्त्रीलिंग को स्पष्ट करें।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न पूछते हुए उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों को लिंग व उनके रुपों के नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- लिंग के बारे में सोचने और विचार करने में,
- लिंग के रूपों (पुल्लिग व स्त्रीलिंग) का सही ज्ञान प्राप्त करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य हैं-

- छात्रों का बताना कि नाम (संज्ञा) शब्द पुरुष या स्त्री जाति के होते हैं।
- स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
- छात्रों कों पुल्लिग और स्त्रीलिंग के बीच के अंतर से अवगत कराएँ।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास करना।

गतिविधियाँ

- छात्रों को अध्यापक द्वारा पुल्लिग व स्त्रीलिंग का ज्ञान कराया जाएगा।
- श्यामपट्ट पर कुछ पुल्लिग शब्द लिखिए और छात्रों से अपनी-अपनी कॉपी में उन शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखने को कहिए।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध पुल्लिग व स्त्रीलिंग से संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर पुल्लिग व स्त्रीलिंग से संबंधित वीडियो क्लिप्स।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य / आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय - पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ व्याकरण के एक नए विषय के साथ होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः पाठ को समझाना व छात्रों को लिंग के दोनों रूपों से अवगत कराना।	छात्रों को पुल्लिंग चीज़ों के चित्र दिखाकर उसका स्त्रीलिंग रूप पूछें। छात्रों को बताएँ कि पुरुष जाति का बोध कराने वाले पुल्लिंग व स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग होते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुस्कराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. दादी जी शब्द से लिंग के किस रूप का पता चलता है?

अ. पुल्लिंग ☐ ब. स्त्रीलिंग ☐

ख. रोहित शब्द से लिंग के निम्नलिखित में से किस रूप का पता चलता है?

अ. स्त्रीलिंग ☐ अ. पुल्लिंग ☐

ग. जिन शब्दों से स्त्री या पुरुष होने का पता चलता है, उन्हें क्या कहते हैं?

अ. संज्ञा ☐ अ. लिंग ☐

2. दिए गए शब्दों में से पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखिए-

गधा	चिड़िया	राखी	बिल्ली
मोहित	गाय	किसान	बकरा

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
....	....
....	....

....

....

3. चित्रों को देखकर उनके लिंग बदलकर लिखिए-

क. 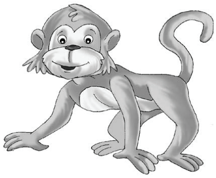

ख.

ग.

....

....

घ. 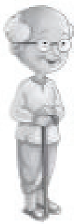

ङ.

च.

....

....

छ.

ज.

....

....

एक-अनेक (वचन)   पाठ योजनाः 8

आज की अवधारणा

छात्रों को वचन के बारे में बताना तथा उसके दोनों रूपों एकवचन व बहुवचन के बीच अंतर स्पष्ट करना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न पूछते हुए उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में एक-अनेक के वचन संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- एक-अनेक के बारे में सोचने और विचार करने में,
- वचन संबंधी शब्दों को ध्यान से सुनना और लिखित शब्दों को ध्यान से पढ़ना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- एक-अनेक शब्दों की अलग-अलग उपयोगिताओं का समझाना।
- छात्रों को बताना कि वचन से हम उनकी संख्या का पता लगा सकते हैं।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में एक व अनेक शब्दों को बनाने के प्रतिकौतूहल उत्पन्न करना।

गतिविधियाँ

कक्षा को दो वर्गों में विभाजित करके उनसे वचन संबंधी छोटे-छोटे प्रश्न पूछें और शब्द देकर उसका बहुवचन रूप बताने को कहें। जो वर्ग सबसे अधिक प्रश्नों के उत्तर दे उसके लिए तालियाँ बजवाएँ।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय से व्याकरण पुस्तक लेकर वचन को समझना।
- यूट्यूब पर एक-अनेक शब्दों का शुद्ध उच्चारण संबंधी विडियो क्लिप्स।
- कक्षा में एक-अनेक शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है। जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं है। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को एक-अनेक के बारे में बताना। उनमें शब्दों के प्रति रुचि जागृत करना।	• छात्रों को एक-अनेक का बोध करवाएँ। • छात्र अपने आस-पास के दैनिक वातावरण से एकवचन तथा बहुवचन वाले शब्दों की पहचान करें। • कक्षा में चित्र दिखाकर एक-अनेक से संबंधित प्रश्न पूछें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. वचन से किस चीज़ का पता चलता है?

अ. संख्या का ☐ ब. एक ही वस्तु का ☐

ख. जिस शब्द से एक या अनेक होने का ज्ञान हो, उसे क्या कहा जाता है?

अ. लिंग ☐ ब. वचन ☐

ग. जब शब्द एक ही संख्या का ज्ञान कराए, तो उसका रूप क्या कहलाता है?

अ. बहुवचन ☐ ब. एकवचन ☐

घ. 'किताबें' शब्द से किस वचन का बोध होता है?

अ. एकवचन ☐ ब. बहुवचन ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

क. कुरसी – ....

ख. मुरगी – ....

ग. चिड़िया – ....

घ. सब्जी – ....

3. कोष्ठक के शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पूरे कीजिए-

सड़क	लड़की	बकरी	नदी	खिलौना

क. .... विद्यालय जा रही हैं।

ख. दिल्ली की कई .... बहुत गंदी रहती हैं।

ग. रमा ने बाज़ार से बहुत सारे .... खरीदे।

घ. .... घास चर रही थीं।

ङ. भारत में कई .... बहती हैं।

सबका नाम (सर्वनाम) पाठ योजनाः 9

आज की अवधारणा

- छात्रों को सर्वनाम के बारे में बताएँ।
- सर्वनाम शब्द बहुत से हैं–अपने लिए, दूसरों के लिए, पास व दूर होने पर, छोटे, बड़े व बराबर वालों के लिए आदि।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न पूछते हुए उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्र सर्वनाम शब्दों का महत्त्व समझेंगे व उनमें सर्वनाम संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- सर्वनाम शब्दों को पढ़ना व उनके बारे में सोचना व विचार करना।
- संज्ञा शब्दों के स्थान पर आने वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ना, सुनना व समझना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को सर्वनाम शब्दों की उपयोगिता का समझाना।
- छात्रों को सर्वनाम शब्दों का प्रयोग समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों को सर्वनाम संबंधी नियमों को जानने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को नई उड़ान देना।

गतिविधियाँ

अध्यापक छात्रों को दो भागों में विभाजित करके सभी सर्वनाम शब्दों की परची बनाए। फिर एक-एक परची उठाकर उससे संबंधित प्रश्न पूछें। सबसे ज्यादा सही उत्तर देने वाले समूह के लिए तालियाँ बजवाएँ व अन्य समूह को सही उत्तर जानने के लिए प्रोत्साहित करें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में सर्वनाम संबंधी व्याकरण पुस्तकें।
- यूट्यूब पर सर्वनाम संबंधी विडियो क्लिप्स।
- कक्षा में सर्वनाम शब्दों की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है। जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं है। उन्हें आज की अवधारणा से परिचित कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : छात्रों को सर्वनाम संबंधी शब्दों को बताना तथा उत्सुक्ता जागृत करना।	• छात्रों से वार्तालाप करते हुए उन्हें अपने से बड़ों व छोटों से बातचीत का तरीका बताएँ। • कुछ छात्रों से पहले बिना सर्वनाम के फिर बाद में कुछ छात्रों से सर्वनाम के साथ बात करने को कहें। अंत में सभी को सर्वनाम शब्दों की उपयोगिता बताएँ। • छात्रों को सर्वनाम शब्दों को प्रयोग करने के तरीकों के बारे में बताएँ।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. अपने लिए क्या प्रयोग होता है?

अ. तुम ☐ ब. मैं ☐

ख. नाम की जगह जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें क्या कहते हैं?

अ. संज्ञा ☐ ब. सर्वनाम ☐

ग. आप अपने मम्मी-पापा से क्या कहकर बात करते हैं?

अ. आप कहकर ☐ ब. तुम कहकर ☐

2. उचित शब्द से रिक्त स्थान भरें-

क. .... क्या कर रहे हो। आप/मैं

ख. .... अपना काम नहीं किया। वह/उसने

ग. .... बहुत अच्छा नाचती हो। वह/तुम

घ. .... शोर मचा रहे थे। उसने/वे

ङ. .... खेल रहा था। उसे/वह

विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण)

पाठ योजनाः 10

आज की अवधारणा

- छात्रों को विशेषण के बारे में बताना।
- दुनिया की सभी चीज़ों में कुछ न कुछ विशेषता होती है, जो उन्हें एक-दूसरे से अलग-अलग करती है। छात्रों को उन विशेषता बताने वाले शब्दों से अवगत कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न करके उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा व उसका कितना अध्ययन किया।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में विशेषण संबंधी नियमों को जानने के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे–

- विशेषण शब्दों के बारे में सोचने और विचार करने के बारे में।
- अपने आस-पास की चीज़ों को देखकर उनके विशेषण को ढूँढ़ने का प्रयास करने में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को बताना कि विशेषता वाले शब्द ही विशेषण होते हैं।
- विशेषणों में आकार, अच्छा-बुरा, रंग, नाप-तौल आदि की अलग-अलग विशेषता को बताना।
- विभिन्न प्रकार के उदाहरण द्वारा विशेषण की जानकारी देना

लक्ष्य कौशल

छात्रों में अन्य विशेषणों को जानने के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

छात्रों को अलग-अलग चीज़ों के चित्र दिखाकर उनसे उसका विशेषण बताने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे छात्र भली-भाँति विशेषणों को समझ पाएँगे।।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय से कहानी की पुस्तक लेकर उसमें विशेषण शब्दों को ढूँढ़कर रेखांकित करना।
- यूट्यूब पर विशेषण संबंधी विडियो क्लिप्स।
- कक्षा में विशेषण की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्‌देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समय : पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है। जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं है। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्‌देश्य : छात्रों को विशेषण संबंधी शब्दों को बताना तथा उत्सुक्ता जागृत करना।	• छात्रों को अलग-अलग चित्र दिखाकर उसमें लगने वाले विशेषणों के बारे में बताएँ • अन्य प्रकार के विशेषण शब्दों के बारे में छात्रों को बताना। • अध्यापक छात्रों को बताए कि विशेषण संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्‌देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समय : पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. जिन शब्दों से किसी स्थान, व्यक्ति अथवा वस्तु की विशेषता का ज्ञान हो, उन शब्दों को क्या कहा जाता है?

अ. सर्वनाम ☐ ब. विशेषण ☐

ख. 'खरगोश के बाल मुलायम होते हैं' इस वाक्य में विशेषण शब्द कौन-सा है?

अ. मुलायम ☐ ब. खरगोश ☐

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए-

क. विशेषण की परिभाषा दीजिए।

....

ख. विशेषण से किसी वस्तु की कौन-सी विशेषता का पता चलता है?

....

3. नीचे लिखे विशेषणों के साथ संज्ञा शब्द लिखिए-

विशेषण	संज्ञा शब्द	विशेषण	संज्ञा शब्द
तीखी		मीठा	
नीला		ऊँची	

काम करने वाले शब्द (क्रिया)

पाठ योजनाः 11

आज की अवधारणा

- छात्रों को क्रिया के बारे में बताना।
- छात्रों को क्रिया का प्रयोग व उसके अर्थ का बोध कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न करके उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ से छात्रों में क्रिया संबंधी नियमों के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- क्रिया के बारे में सोचने और विचार करने में,
- क्रिया के सही उपयोग के बारे में।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- छात्रों को क्रिया शब्दों से अवगत कराना।
- अपने दैनिक जीवन में करने या होने वाले कामों को सूचीबद्ध करना व क्रिया को समझाना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों के पठन, श्रवण एवं वाचन कौशल काल विकास करना।

गतिविधियाँ

अध्यापक कक्षा में क्रिया संबंधी शब्दों का खेल खेलें। कक्षा को दो भागों में विभाजित करके एक-एक करके वाक्य बोलें व दोनों समूहों में जो सबसे ज्यादा क्रिया शब्द बताकर सही उत्तर दे। उसके लिए तालियाँ बजवाएँ व अन्य समूह को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध क्रिया संबंधित विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर क्रिया संबंधी वीडियो क्लिप्स।
- कक्षा में क्रिया संबंधित चार्ट पेपर।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	

इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्य : पाठ के बारे में बताना व पाठ पढ़ने के बाद अन्य क्रियाओं को जानने संबंधी जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• छात्रों से दैनिक जीवन से संबंधित क्रिया संबंधी छोटे-छोटे प्रश्न पूछिए। • छात्रों को बताएँ कि जो शब्द काम के करने या होने का बोध कराते हैं, वे शब्द क्रिया कहलाते हैं।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. सही शब्द पर (✓) का निशान लगाएँ-

क. जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलें, उन्हें क्या कहते हैं?

अ. विशेषण ब. क्रिया

ख. क्रिया शब्द इनमें से कौन-सा है?

अ. पुस्तक ब. नाचना

ग. 'छात्र मैदान में दौड़ रहे हैं' इस वाक्य में कौन-सी क्रिया हो रही है?

अ. दौड़ने की ब. बैठने की

2. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

क. क्रिया किसे कहते हैं?

....

ख. चित्र में लड़की क्या कर रही है?

....

ग. चित्र में गाय क्या कर रही है?

....

3. काम को क्रिया कहते हैं। अच्छे बच्चे कैसे काम करते हैं? सही काम पर (✓) का निशान लगाकर बताइए-

- कक्षा को स्वच्छ रखकर ☐
- गृहकार्य समय पर करके ☐
- एक-दूसरे को परेशान करके ☐

कहानी-पठन　　पाठ योजना: 12

आज की अवधारणा

- छात्रों को कहानी-लेखन के माध्यम से उसकी विशेषताएँ बताना।
- छात्रों को कहानी-लेखन की उपयोगिता बताते हुए विभिन्न प्रकार की कहानियों के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति के बारे में चर्चा कराना।

पूर्ववर्ती ज्ञान

अध्यापक छात्रों से पूर्व पढ़ाए गए पाठों से प्रश्न करके उनके पूर्ववर्ती ज्ञान की जाँच करें ताकि यह ज्ञात किया जा सके कि छात्रों ने पाठ को कितने अच्छे से समझा।

सीखने का प्रतिफल

इस पाठ को पढ़ने के बाद छात्रों में कहानी-लेखन के प्रति रुचि जागृत होगी और वे सक्षम होंगे-

- कहानी के बारे में सोचना और विचार करना।
- चित्रों को देखकर कहानी पढ़ना व समझना।

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ के पठन-पाठन का उद्देश्य है-

- चित्रों के आधार पर कहानी पूरी करना।
- कहानी के महत्व को समझना।
- अन्य प्रकार की कहानियों से छात्रों में कहानी लेखन के प्रति उत्सुकता जागृत करना।

लक्ष्य कौशल

छात्रों में कहानी के प्रति कौतूहल उत्पन्न करके इस दिशा में उनकी कल्पना को पंख देना।

गतिविधियाँ

अध्यापक कक्षा में छात्रों के अलग-अलग चार समूह बनाए। फिर श्यामपट्ट पर कोई चित्र बनाए और प्रत्येक समूह से एक-एक छात्र को उस चित्र से संबंधित कोई कहानी सुनाने को कहें। इसमें अध्यापक छात्रों की मदद भी करें। इस गतिविधि से छात्र कहानी लेखन को भली भाँति समझ पाएँगे।

पाठ-विस्तार

शिक्षण सामग्री

- विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध कहानी की विभिन्न पुस्तकें।
- यूट्यूब पर कहानियों से संबंधित वीडियो क्लिप्स।

- कक्षा में कहानी-लेखन की जानकारी देने वाले चित्रात्मक चार्ट।

शिक्षण-अधिगम अवलोकन

पाठ से जोड़ना	
इस पाठ के उद्देश्य/आज की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराना। **कुल समयः पाँच मिनट**	कक्षा में मुसकराते हुए प्रवेश करें और छात्रों के अभिवादन के बाद उन्हें बताएँ कि आज के दिन की शुरुआत उनकी मुसकराहट के साथ-साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी से होगी। उनकी उत्सुकता जागृत करने के लिए उन्हें बताएँ कि उन्हें वह जानकारी दी जा रही है जो उनके पास पहले से है, पर वे जानते नहीं हैं। उन्हें आज की अवधारणा से अवगत कराएँ।
पाठ-प्रवर्तन	
उद्देश्यः पाठ के बारे में बताना व पाठ पढ़ने के बाद अन्य क्रियाओं को जानने संबंधी जिज्ञासा उत्पन्न करना।	• अध्यापक छात्रों को अलग-अलग कहानियाँ सुनाएँ। • छात्रों को कहानी लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। • कहानी से मिलने वाली शिक्षाओं के बारे में छात्रों को बताएँ • छात्रों से उनकी कल्पना के अनुसार पसंद की कहानी लिखने को कहें।
पाठ की समाप्ति	
उद्देश्य : अधिगम मूल्यांकन **समयः पाँच मिनट**	छात्रों को मुसकराते हुए धन्यवाद कहें। आज के पाठ से उन्होंने जो सीखा है, उसकी संक्षिप्त चर्चा करें।

कार्यपत्रिका

1. दिए गए शब्दों से निम्नलिखित कहानी को पूरा कीजिए-

मुँह	गिरकर	छीनना	परछाई	पानी	पुल
रोटी	दूसरा कुत्ता	दबाकर	भौंकते	भूख	लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत ज़ोरों की .... लगी थी। तभी उसे एक .... मिली। कुत्ता रोटी को शांति में बैठकर खाने की इच्छा से अपने .... में .... नदी की ओर चल दिया। नदी पर एक छोटा .... था। जब कुत्ता नदी पार कर

रहा था, तभी उसे .... में अपनी .... दिखाई दी। उसने अपनी परछाई को .... समझा और उसकी रोटी .... चाही। रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी की तरफ जैसे ही मुह खोला। मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में .... बह गई और .... भूखा ही रह गया। इसलिए कहा गया है कि हमें लालच हीं करना चाहिए।

2. दिए गए शब्दों से निम्नलिखित कहानी को पूरा कीजिए-

निकलकर	भटकते	शहर	ड्रम	मिलकर	जंगल
जान	चुपके	भोजन	हुक्म	अजीब	राजा
वारे-न्यारे	भागा	बेचारा	मजे	पिटाई	चक्कर
सच्चाई	पालन	हुआँ-हुआँ			

एक बार एक सियार .... की तलाश में .... हुए एक .... पहुँच गया, जैसे ही वहाँ की गली के कुत्तों ने उसे देखा तो वे उस सियार की .... के पीछे पड़ गए। .... सियार जान बचाने के .... में नीले रंग से भरे एक .... में छिप गया। जब कुत्ते वहाँ से चले गए तो सियार .... से .... अपने जंगल की तरफ ....। जंगल के जानवरों ने जब इस सियार को देखा तो उन्हें लगा कि यह कोई .... सा जानवर कहाँ से आ गया है। वे डर गए और सियार को अपना .... घोषित कर दिया। अब तो सियार के .... हो गए। सभी जानवर उसके .... का .... करने लगे और सियार भी खूब .... लेने लगा। एक रात सियार ने दूसरे सियारों .... सुनी। सुनकर वो अपने आप को रोक न सका तथा साथ-साथ हुआँ-हुआँ करने लगा। दूसरे जानवरों ने जब उसकी इस आवाज को सुना तो उन्हें .... का पता चल गया। सभी ने उसकी खूब .... की और सियार ....छोड़कर भाग गया।